http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 87

प्रयागराज शुक्रवार 13 दिसम्बर 2024

पृष्ठः– 4, मूल्यः– एक रूपया

विकास की नई गाथाः प्रमुख कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे

कुम्भनगर। प्रधानमंत्री मंदिर के प्रमुख कॉरिडोर का भी उद्घाटन करेंगे। इनमें भारद्वाज आश्रम कॉरिडोर, श्रृंगवेरपुर धाम कॉरिडोर, अक्षयवट कॉरिडोर, हनुमान मंदिर कॉरिडोर आदि शामिल हैं। इन परियोजनाओं से श्रद्धालुओं की पहुंच आसान होगी और आध्यात्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री कुम्भ 'सहायक' चौटबॉट का भी शुभारंभ करेंगे। यह चौटबॉट महाकुंभ मेला 2025 के बारे में श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन और कार्यक्रमों की नवीनतम जानकारी प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री मोदी का प्रयागराज दौरा विकास की एक नई गाथा लिखेगा। महाकुम्भ 2025 के लिए प्रस्तावित परियोजनाएं प्रयागराज की सांस्कृतिक पहचान को विश्व स्तर पर सुदृढ़ करेंगी और शहर को एक नई ऊंचाई पर ले जाएंगी। इन परियोजनाओं से न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी तेजी आएगी। यातायात सुविधाओं में सुधार से यात्रियों और श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच गोलीबारी

बस्तर,(एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच गुरुवार को गोलीबारी हो रही है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि रुक–रुककर गोलीबारी हो रही है और वह जवानों से संर्पक कर रहे हैं। नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर और कोंडागांव की डीआरजी, एसटीएफ और सीआरपीएफ की टीम ने

माओवादियों को घेरा हुआ है और इस मुठभेड़ में नक्सलियों को बड़ा नुकसान होने का अनुमान है लेकिन अभी तक कितना नुकसान हुआ है यह अभी स्पष्ट नहीं है। उल्लेखनीय है कि 15 दिसंबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बस्तर का दौरा करने वाले हैं जिसे देखते हुए सुरक्षा बल बहुत सक्रिय है। देर रात सुरक्षा बलों को इंटेलिजेंस से सूचना मिली थी कि माड़ इलाके में भारी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर चार जिलों से करीब एक हजार से ज्यादा जवानों को अभियान के लिए देर रात निकाला गया था। गुरुवार तड़के तीन बजे जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई।

दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से मिले कांग्रेस नेता राहुल गांधी

अलीगढ़,(एजेंसी)। हाथरस में गांव बुलगढ़ी में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पीड़ित परिवार से मिले। परिवार ने एसडीएम की शिकायत की है। कोतवाली चंदपा क्षेत्र के गांव बुलगढ़ी में 2020 में एक युवती की दुष्कर्म के बाद हत्या हुई थी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के हाथरस

जिले के दौरे पर रहे। राहुल गांधी ने दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से गांव बुलगढ़ी में मुलाकात की। राहुल गांधी ने दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से बंद कमरे में काफी देर तक बातचीत की। इसके बाद वह हाथरस से निकल गए। जानकारी सामने आई है कि पीड़ित परिवार ने राहुल गांधी से एसडीएम की शिकायत की है। शिकायत के बाद राहुल गांधी ने एसडीएम को तलब किया, लेकिन एसडीएम नहीं आए। इसके बाद एसडीएम को फोन मिलाकर बात कराई गई। इसके बाद राहुल पीड़ित परिवार से मिलकर हाथरस से निकल गए। इस दौरान राहुल गांधी ने मीडिया से कोई बात नहीं की। जिस समय पीड़ित परिवार से राहुल गांधी मिले, उस दौरान किसी को अंदर नहीं जाने दिया गया। इससे पहले, राहुल के हाथरस दौरे पर यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने हमला बोला था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लोगों को भड़काना चाहते हैं। आपको बता दें कि हाथरस में कोतवाली चंदपा इलाके के गांव बुलगढ़ी में 2020 में एक युवती की हत्या हुई थी।

सुधार की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यूपी पुलिस को जैसी कड़ी फटकार लगाई है, उससे जाहिर होता है कि मर्ज पुराना है और गंभीर भी। देश की शीर्ष अदालत को अगर यहां तक कहना पड़े कि पुलिस पावर का आनंद ले रही है और उसे संवेदनशील होने की जरूरत है, तो इसका मतलब कि खाकी उन अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पा रही, जिसके लिए उसे इतनी शक्तियां दी गई हैं। अदालत की टिप्पणी फिर से याद दिला रही है कि देश में पुलिस सिस्टम में सुधार की कितनी जरूरत है।

समाज के एक बड़े तबके में पुलिस के लिए आदर नहीं, डर का भाव है। उसे थाने में जाकर अपनी बात कहने से डर लगता है। हम बात करते हैं कि आम जन पुलिस के साथ सहयोग करें, लेकिन ऐसा कैसे हो सकता है, जब तक कि आम जन का पुलिस पर भरोसा ही नहीं होगा। इसकी वजह है पुलिसिया कार्यप्रणाली, जो अभी तक औपनिवेशिक मानसिकता में जकड़ी दिखाई देती है। और इसकी वजह से कानून नहीं, डर का शासन ज्यादा दिखता है।

सवाल यह भी है कि पुलिस इस मानसिकता से निकलेगी कैसे, जबकि उसकी बुनियाद में अब भी 1861 का वही पुलिस एक्ट है, जो अंग्रेजों ने हिंदुस्तानियों पर राज करने के लिए बनाया था। डेढ़ सौ बरस से ज्यादा हो गए और इस दौरान देश–समाज ने इतनी तरक्की कर ली, लेकिन उसकी तुलना में पुलिस सिस्टम वहीं ठहरा हुआ लगता है। कहने को सिस्टम में सुधार के लिए 1977 में नेशनल पुलिस कमिशन बना, रिबेरो समिति, पद्मनाभैया समिति, मलिमथ समिति आई, लेकिन किसी के भी सुझावों पर पूरी तरह अमल नहीं किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए 2006 में पुलिस सुधारों के लिए कुछ दिशा–निर्देश दिए थे। इसमें कहा गया था कि स्टेट सिक्यॉरिटी कमिशन का गठन हो और डीजीपी समेत दूसरे अफसरों को भी कम से कम दो साल का मौका मिले। इनका मकसद यह था कि पुलिस को राजनीतिक दबाव से निकाला जाए, ताकि वह स्वतंत्र रूप से काम कर सके। कहने की जरूरत नहीं कि इन पर अमल नहीं हुआ। मार्च 2023 में सरकार ने संसद में जानकारी दी थी कि देश में प्रति एक लाख आबादी पर औसतन केवल 152.80 पुलिसकर्मी हैं। यूपी में तो यह आंकड़ा और भी कम था, महज 133.86। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पूरे देश की पुलिस दबाव में है। सीनियर्स का प्रेशर, काम के घंटे, छुट्टियों की कमी– कुल मिलाकर यह स्थिति उस डिपार्टमेंट के लिए सही नहीं कही जा सकती, जिस पर सुरक्षा जैसी अहम जिम्मेदारी है। हम यह तो सोच रहे हैं कि पुलिस सुधर जाए, लेकिन यह भी सोचना होगा कि उनके काम का माहौल सुधरे। दोनों चीजें साथ होंगी, तभी परिणाम बेहतर मिलेगा।

बुरे फंसे बाइडन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बेटे हंटर बाइडन को आपराधिक मामलों में माफी देकर अपने कार्यकाल के आखिरी दिनों को विवादास्पद बना दिया है। विशेष परिस्थितियों में किसी दोषी को माफी देना राष्ट्राध्यक्ष का विशेषाधिकार होता है, लेकिन यहां जिस तरह से उसका इस्तेमाल किया गया, उसे लेकर सवाल उठ रहे हैं। यह मामला सीधे–सीधे परिवारवाद का है और अगर राष्ट्रपति जैसे पद पर बैठी शख्सियत इस तरह के फैसले लेगी, तो उससे जनता के विश्वास को चोट ही पहुंचेगी।

सवालों में फैसलारू बाइडन के पूरे कार्यकाल में उनके बेटे हंटर भी चर्चा में रहे। उन पर दो गंभीर संघीय अपराध साबित हुए थे। एक, बंदूक खरीदने के दौरान ड्रग्स इस्तेमाल करने से जुड़ी गलत जानकारी देना और दूसरा केस टैक्स चोरी का था। हंटर को इसी महीने के आखिर में दोनों

केस में सजाएं होनी थीं, लेकिन अपने पिता की 'दया' से अब उन पर कोई आरोप नहीं है। इसने डॉनल्ड ट्रंप को पूछने का मौका दे दिया है कि जनवरी 2021 में हुए दंगे में शामिल लोगों को भी क्या माफी दी जाएगी? कोई हैरत नहीं, अगर अगले महीने पद संभालने जा रहे ट्रंप अपने समर्थकों को नए साल के तोहफे में माफी दे दें।

बेजा दखलरू बाइडन इसलिए भी इस मामले में घिर रहे हैं, क्योंकि उन्होंने गंभीर आपराधिक मामलों में अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल किया। आमतौर पर इस तरह के निर्णय मानवीयता के आधार पर लिए जाते हैं या फिर उन जगहों पर, जहां मामले राजनीतिक प्रकृति के हों। वैसे, अपनों को राहत देने वाले बाइडन अकेले अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में दामाद को और बिल क्लिंटन ने चचेरे भाई को माफी दी थी। हालांकि दोनों केस में सजा हो चुकी थी, जबकि यहां राष्ट्रपति ने पहले ही क्षमा दे दी, जिसे न्याय व्यवस्था में दखल कहा जाएगा।

पुराने विवादरू भारत में भी राष्ट्रपति और राज्यपाल के पास सजा को कम करने या माफ करने का अधिकार है। मंशा जो भी रही हो, लेकिन इस तरह के कदम कई बार विवाद भी पैदा कर देते हैं। 2013 में यूपी सरकार ने सीरियल ब्लास्ट के संदिग्धों पर से इस आधार पर केस वापस लेने का फैसला लिया था कि आरोप राजनीति से प्रेरित थे। हालांकि तब हाईकोर्ट को दखल देना पड़ा।आखिरी हथियाररू स्टेट हेड को क्षमा का अधिकार इसलिए दिया गया है, ताकि न्याय प्रणाली में मानवीयता बनी रहे। यह आखिरी हथियार की तरह है, जिसका इस्तेमाल तभी किया जाता है, जब यह लग रहा हो कि किसी को न्याय नहीं मिल सका और उसे सजा देने में गलती हुई है। क्षमा करना सबसे बड़ा धर्म है, लेकिन यह भी मायने रखता है कि इसका पात्र कौन है और जिसे दूसरा मौका दिया जा रहा है, क्या वह उसके लायक है।

गैस को हरित बनाने की प्रक्रिया के लाभ

आनंद कुमार झा

भारत सरकार संपीडिघ्त बायोगैस (सीबीजी) इकोसिस्टम के विकास के लिए बड़े कदम उठा रही है। इस क्षेत्र के लिए घोषित लक्ष्य है– प्रति वर्ष 15 एमएमटी सीबीजी का उत्पादन। यह पहल, मुख्य रूप से जीवाश्म ईंध न आधारित परिवहन प्रणाली के एक स्थायी विकल्प स्थापित करने के लिए शुरू की गई थी, लेकिन, संभावित लाभों की विस्तृत श्रृंखला अभी उभरनी शुरू हुई है। सीबीजी में भारत सरकार की नेट जीरो महत्वाकांक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता है। 15 एमएमटी सीबीजी, वर्ष 2030 तक सीजीडी क्षेत्र के सीएनजी (टी)ध्पीएनजी (डी) उपक्षेत्र में उपयोग की जाने वाली घरेलू प्राकृतिक गैस की सभी मांग को प्रभावी ढंग से प्रतिस्थापित कर सकता है। सीबीजी संयंत्रों में उत्पादित एफओएम के उपयोग से मिट्टी के कम हुए कार्बन स्तर को बहाल किया जा सकता है। किण्वित जैविक खाद (एफओएम) मुख्य रूप से मिट्टी में रासायनिक उर्वरक के नाइट्रोजन और फास्फोरस को बढ़ाते हुए कार्बन स्तर में वृद्धि करके रासायनिक उर्वरक के एक हिस्से को भी प्रतिस्थापित कर सकता है।

सरकार की एक पहल के रूप में शुरू हुआ यह कार्य, कई योजनाओं और शासनादेशों के साथ एक प्रमुख क्षेत्र बन गया है, जो पूरे परिदृश्य को प्रभावित कर रहा है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बायोमास की खरीद तथा बायोमास एकत्रीकरण मशीनरी की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, सीबीजी संयंत्रों और सीजीडी नेटवर्क के बीच पाइपलाइन को जोडने के लिए वित्तीय सहायता और सीजीडी संस्थाओं के लिए अनिवार्य सीबीजी मिश्रण दायित्व की योजना की शुरुआत की है। उर्वरक विभाग ने एफओएम के लिए बाजार विकास सहायता की पेशकश की है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, केंद्रीय वित्तीय सहायता के माध्यम से इस क्षेत्र का समर्थन करता है। इसी तरह राज्य सरकारें भी रियायती पट्टे दरों पर भूमि, कच्चे माल की खरीद पर सब्सिडी, एकल खिड़की मंजूरी, भूमि आवंटन में प्राथमिकता, जैसे विभिन्न प्रोत्साहनों के माध्यम से इस क्षेत्र का समर्थन कर रही हैं।हालांकि, इकोसिस्टम का राजस्व मॉडल अभी तक स्थिरता हासिल नहीं कर पाया है। सभी संभावित राजस्व स्रोत अभी तक अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाये हैं। एफओएम, जो एक प्रमुख सह–उत्पाद है, से अभी तक राजस्व प्राप्त नहीं हो पा रहा है। कार्बन क्रेडिट व्यवस्था पूरी तरह से स्थापित नहीं है। इससे कार्बन क्रेडिट के उत्पादन और मुद्रीकरण के बारे में कुछ अनिश्चितता मौजूद है। सभी राजस्व स्रोतों का गैर–मुद्रीकरण भी उधार देने वाली एजेंसियों के लिए कुछ जोखिम पैदा करता है, जो अप्रत्यक्ष रूप से इस क्षेत्र के विकास को प्रभावित करता है। उत्पादित एफओएम के पूर्ण मुद्रीकरण की कमी के कारण संयंत्रों की व्यावहारिकता सुनिश्चित करने के लिए गैस पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। वर्तमान में, सीबीजी संयंत्रों से उत्पादित गैस को एकमात्र राजस्व अर्जित करने वाले स्रोत होने का बोझ उठाना पड़ता है। देश के कुछ क्षेत्रों में मांग से संबंधित कुछ मुद्दों के कारण, गैस का पूरा उठाव प्रभावित होता है। इससे सीबीजी संयंत्र का व्यावहारिक होना और पूरे क्षेत्र का विस्तार करना मुश्किल हो जाता है। गैस, एफओएम के साथ–साथ क्षेत्र के लिए उपलब्ध हरित विशेषताओं या कार्बन क्रेडिट से राजस्व उत्पन्न करना जरूरी है।

सीबीजी का उठाव सुनिश्चित करने पर सरकार के विशेष ध्यान के कारण कुल गैस की बिक्री, वित्त वर्ष 2022–23 के लगभग 12,000 टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2023–24 में 19,000 टन हो गई है। वित्त वर्ष 2024–25 के दो महीनों के उठाव के आंकड़ों से संकेत मिलता है कि इस साल सीबीजी का उठाव दोगुने से अधिक हो जाएगा। हालांकि क्षेत्र में सीएनजीध पीएनजी की असमान मांग के कारण गैस के उठाव में चुनौतियां बनी हुई हैं। सरकार ने सीबीजी संयंत्रों और सीजीडी नेटवर्क के बीच पाइपलाइन को जोडने की प्रक्रिया का समर्थन करने के लिए एक योजना की शुरुआत की है, ताकि संयंत्र द्वारा उत्पादित गैस का पूर्ण उठाव सुनिश्चित करने में मदद मिल सके। सीबीजी ग्रिड का विकास, क्षेत्र में सीएनजीध्पीएनजी की कम मांग की समस्या पर ध्यान देगा। सीजीडी नेटवर्क के माध्यम से सीबीजी तक खुली पहुंच की अनुमति देना भी आवश्यक होगा, ताकि देश भर में वास्तविक मांग केंद्रों तक सीबीजी की आपूर्ति की जा सके। इसके अलावा, जर्मनी जैसे कुछ यूरोपीय देशों की तरह, प्रमुख पाइपलाइनों में सीबीजी की आपूर्ति से राष्ट्रीय गैस खपत वृद्धि में भी मदद मिलेगी।

सरकार ने उर्वरक विपणन कंपनियों द्वारा एफओएम की बिक्री पर एमडीए की घोषणा की है। यह, बदले में, सीबीजी उत्पादकों को दिया जाता है। हालांकि, उत्पादित एफओएम की दो अनूठी विशेषताओं के कारण यह योजना आगे नहीं बढ़ पाई है। सबसे पहले, हालांकि, एफओएम मिट्टी के लिए कार्बन का एक बड़ा स्रोत है, इसकी तुलनात्मक रूप से कम पोषक तत्व सामग्री, इसे किसानों को खरीद और बिक्री के सन्दर्भ में उर्वरक कंपनियों के लिए कम आकर्षक बनाती है। दूसरी विशेषता है, उत्पाद की नमी की मात्रा, जो भंडारण और परिवहन को थोड़ा मुश्किल बना देती है। इसके अलावा, किसानों के बीच अपने खेतों में कार्बन के इस समृद्ध स्रोत का उपयोग करने में उत्साह की भी कमी दिखाई पड़ती है।

भारत और हरियाणा, पंजाब, यूपी, राजस्थान जैसे उत्तरी भारतीय राज्यों की मिट्टी में कार्बन की मात्रा बहुत कम है। यह मिट्टी की उत्पादकता बढ़ाने के लिए मिट्टी में डाले जा रहे रासायनिक उर्वरकों के नाइट्रोजन और फास्फोरस का पूरी तरह से उपयोग करने की मिट्टी की क्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। मिट्टी को कृषि के लिए उपयुक्त बनाने तथा नाइट्रोजन और फास्फोरस के अवशोषण की शक्ति बढ़ाने के लिए मिट्टी में कार्बन की मात्रा बढ़ाना आवश्यक है। किसानों को प्रोत्साहित करके उन्हें इस प्रयास में हितधारक बनाना भी महत्वपूर्ण है। एफओएम के प्रभावी उठाव और खपत के लिए, यह इस रूप में मददगार हो सकता है कि सरकार मिट्टी में जमा हर टन जैविक कार्बन के लिए किसानों को बढ़ावा दे। सीबीजी उत्पादक, किसानों तक एफओएम पहुंचाने के लॉजिस्टिक्स हिस्से का ध्यान रख सकते हैं। फिर सीबीजी उत्पादकों द्वारा लॉजिस्टिक्स की लागत और एफओएम की लागत का मुद्रीकरण, उर्वरक कंपनियों को जैविक कार्बन पृथक्करण (ओसीएस) प्रमाणपत्रों की बिक्री के जरिये किया जा सकता है, जिन्हें किसानों को उर्वरक की मिश्रित बिक्री के माध्यम से नेट जीरो प्रतिबद्धताओं के लिए अनिवार्य किया गया हो। इससे न केवल मिट्टी में कार्बन की मात्रा कम होने से जुड़ी समस्या हल होगी तथा इस तरह उर्वरक सब्सिडी की आवश्यकता और बजट में कमी आएगी, बल्कि उत्पादित एफओएम का पूरी तरह से मुद्रीकरण करने में भी मदद मिलेगी और साथ ही उर्वरक क्षेत्र में उत्सर्जन में कमी का मुद्दा भी हल होगा।

गैस के मामले में, सरकार सीजीडी संस्थाओं के लिए मिश्रण दायित्व लेकर आई है, जिसमें नवीकरणीय गैस प्रमाणपत्र (आरजीसी) जारी करने का प्रावधान भी शामिल है। यह नियामक को इन आरजीसी के प्रभावी मुद्रीकरण के लिए एक व्यवस्था तैयार करने का भी प्रावधान करता है। इसके साथ ही, भारत विश्व जैव ईंधन गठबंधन को आगे बढ़ाने के लिए भागीदार देशों के साथ काम कर रहा है। भारत में उत्पादित आरजीसी के लिए एक पारस्परिक मान्यता व्यवस्था, इन प्रमाणपत्रों के निर्यात और इसके मुद्रीकरण को सक्षम करने में, महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हालांकि, भारत से जैव ईंधन के निर्यात पर कुछ प्रतिबंध हैं, लेकिन यही बात जैव ईंधन से जुड़ी हरित विशेषताओं पर लागू नहीं होती। हरित विशेषताओं के लिए उपयुक्त मूल्य, गैस के हिस्से को अन्य गैसों– घरेलू गैसध एलएनजी, आदि जो बाजार में उपलब्ध हैं, के मुकाबले उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी रूप से बेचने में मदद करेगा। सीबीजी उद्योग के आसपास उपलब्ध ा होने के कारण, एलएनजीध्आरएलएनजी की तुलना में, जिसमें उनके परिवहन की लंबाई पर परिवहन और कराधान लागत शामिल होते हैं, लॉजिस्टिक्स लागत भी बहुत कम होगी। अनिवार्य की गयी संस्थाएं भी सीबीजी खरीदने में संकोच नहीं करेंगी, क्योंकि इससे उनकी लॉजिस्टिक्स लागत में भी कमी आयेगी।सीबीजी को बायो–एलएनजी में द्रवित करने तथा लंबी दूरी के ट्रक परिवहन के लिए एलएनजी के विकल्प के रूप में इसका उपयोग करने से, परिवहन क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में भी मदद मिलेगी। ऐसे क्षेत्रों में स्थित बड़े संयंत्रों के लिए, जहां उत्पादित सीबीजी की पूरी मात्रा का उपभोग करने की सीमा तक सीएनजीध्पीएनजी इकोसिस्टम विकसित नहीं हो पाया है, सीबीजी को बायो–एलएनजी में परिवर्तित करने तथा एलएनजी ट्रक परिवहन के लिए मांग केंद्रों तक पहुंचाने से सीबीजी की प्रभावी खपत में तथा परिवहन क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में भी मदद मिलेगी। सीबीजी को तरलीकृत करने की लागत को सीजीडी संस्थाओं को आपूर्ति की जाने वाली घरेलू गैस के पूल का हिस्सा बनाकर उपभोक्ताओं पर वितरित किया जा सकता है।

सरकार प्रणाली से जुड़ी अक्षमताओं को दूर करने का प्रयास कर रही है। क्षेत्र के हरित वित्तपोषण में बहुपक्षीय विकास बैंकों का समर्थन, क्षेत्र के विकास में एक लंबा रास्ता तय करेगा। हरित ऋणों का निर्यात, न केवल क्षेत्र को स्थिरता प्रदान करेगा, बल्कि देश के लिए विदेशी मुद्रा अर्जित करने में भी मदद करेगा।ऊर्जा स्रोतों में बदलाव को अपनाने का मार्ग, हरित गैस द्वारा रोशन होने का इंतजार कर रहा है।

क्यों जरूरी सोशल मीडिया से दूरी

आर.के. सिन्हा

अगर आप अपने आसपास किसी भी उम्र के इंसान से अनौपचारिक बात कर लें, तब आपको पता चल जाएगा कि आज के समय सोशल मीडिया का लत हमारे सारे समाज को दीमक की तरह खा रहा है। इसकी गिरफ्त में नादान बच्चे खासतौर पर आ चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया सोशल मीडिया के उपयोग के लिए न्यूनतम आयु सीमा लागू करने पर विचार कर रहा है। वहां पर 14 से 16 साल के बच्चों तक को सोशल मीडिया से दूर रखा जा सकता है। इसका उद्देश्य बच्चों को डिजिटल उपकरणों पर अत्यधिक समय

बिताने की बजाय खेल कूद के मैदान से जोड़ना है। क्या इस तरह का कोई कदम भारत में नहीं उठाया जाना चाहिए ? यह जानने के लिए रॉकेट साइंट पढ़ने की जरूरत नहीं है कि सोशल मीडिया ने हमारे अपने देश में बच्चों को खेलों के मैदानों और अपने परिवार के सदस्यों और दोस्तों तक से भी दूर कर दिया है। आप अपने घर और आसपास के बच्चों को देख लें। वे फेसबुक,व्हाटअप, इंस्टा आदि से चिपके रहते हैं। आप देश के किसी भी शहर के किसी स्टेडियम में चले जाइये। वहां पर बुजुर्ग सैर करते हुए तो मिल जाएँगे पर आपको बच्चे बहुत ही कम संख्या में खेलते हुए मिलेंगे। हालांकि आज से बीसेक साल पहले तक राजधानी दिल्ली से लेकर छोटे शहरों के सारे मैदानों में बच्चे खेलते–कूदते नजर आ जाते थे। राजधानी के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, तालकटोरा स्टेडियम, नेशनल स्टेडियम और दूसरे मैदानों में बच्चे प्रैक्टिस करते हुए खूब पसीना बहाते थे। वह अपने कोचों की देखरेख में प्रेक्टिस कर रहे होते थे। पर पिछले कुछ वर्षों से देख लें क्या हो गया है बच्चों।का हाल। जब बच्चे खेलेंगे ही नहीं तो देश को ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक कहां से मिलेंगे? क्या कोई हमें पदक मुफ्त में ही दे देगा?

चीन में भी नाबालिगों के सोशल मीडिया के उपयोग पर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक कानूनी रूप से रोक लगा दी गई है। यह सही है कि आज के समय में सोशल मीडिया हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है। लेकिन, इसका अंधाधुंध इस्तेमाल, खासकर बच्चों के लिए, बहुत खतरनाक साबित हो रहा है। सोशल मीडिया से बच्चे मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, साइबरबुलिंग, ऑनलाइन शोषण, और अनेकों प्रकार के व्यसनों का शिकार हो रहे हैं। इसलिए, बच्चों को इन दुष्प्रभावों से बचाना हमारी अहम जिम्मेदारी हो गई है।

बच्चों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए कुछ जरूरी कदम तो उठाने ही होंगे। उदाहरण के रूप में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की उम्र सीमा का पालन हो और बच्चों को उचित आयु तक इन प्लेटफॉर्म का उपयोग करने से रोका जाए। बच्चों के लिए उचित आयु सीमा वाले विशेष ऐप्स और वेबसाइटों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना भी जरूरी है।

मैं मानता हूं कि समय आ गया है कि माता– पिता और स्कूल के अध यापकों को बच्चों से सोशल मीडिया के बारे में नियमित रूप से खुली बातचीत करें ।उन्हें इसके फायदे और नुकसान दोनों के बारे में बताया जाये। हमें बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों के बारे में भी लगातार प्यार से पूछताछ करनी चाहिए। उन्हें खेलों के अलावा संगीत, नृत्य या किसी अन्य मनोरंजक गतिविधियों से जोड़ा जा सकता है। नोएडा में भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व खिलाड़ी अनादि बरूआ बच्चों को फुटबॉल की कोचिंग देते हैं। इसी तरह से साउथ दिल्ली में मशहूर बैडमिंटन खिलाड़ी और बैडमिंटन रैफरी तुलसी दुरेजा बच्चों को बैडमिंटन के गुर बताते–सिखाते हैं। अनादि बरूआ और तुलसी दुरेजा जैसे पूर्व खिलाड़ी देश के सभी छोटे–बड़े शहरों में कोचिंग दे रहे हैं। यह बहुत मामूली सी फीस लेते हैं। माता–पिता को चाहिए कि वह इस तरह के नामी खिलाड़ियों के पास अपने बच्चों को ले जाएं। जाहिर है कि जब बच्चे खेलेंगे तो उनके पास सोशल मीडिया के लिए वक्त ही नहीं बचेगा।

बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखना एक कठिन काम हो सकता है, लेकिन यह उनके कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। मैं मानता हूं कि अगर परिवार के सदस्य पहले की तरह एक साथ खाने, खेलने और बातचीत में समय व्यतीत करें तो भी सोशल मीडिया से दूरी बनाई जा सकती है। याद करें उस दौर की जब सारा परिवार घर के मुखिया के साथ सुबह–शाम को साथ बैठकर भोजन करता था। अब कितने परिवारों में भोजन सब मिल–बैठकर साथ–साथ करते हैं। अब तो परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए भोजन भी अलग– अलग तरह का पक रहा होता है। यानी घर अब होटल बन गया है । जैसे होटल के अलग – अलग कमरों में ठहरने वाले लोग रूम सर्विस से अपने पसंद का खाना मँगवाते है , वही अब घरों में भी होने लगा है ! क्या पहले यह होता था? यह तो भारतीय संस्कार नहीं थे।

यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है कि बच्चे अपने माता–पिता के व्यवहार से ही सीखते हैं। यदि आप खुद सोशल मीडिया का लगातार इस्तेमाल करते हैं, तो बच्चों के लिए इसका उपयोग सीमित करना मुश्किल होगा। बच्चों के माता–पिता और अभिभावकों को चाहिये कि सोशल मीडिया के उपयोग के बारे में अपने व्यवहार से एक अच्छा उदाहरण स्थापित करने का प्रयास करें। अब घर के बड़े सदस्य भी फेसबुक या इंस्टा पर अपनी फोटो डाल रहे होते हैं। उसके बाद कई उत्साही लोग तो अपने दोस्तों को फोन भी करते हैं कि उनकी पोस्ट पर लाइक या कमेंट करें। जब अभिभावक ही सोशल मीडिया को दिन–रात वक्त देने लगे हैं तो वह अपने बच्चों को इससे कैसे दूर कर सकेंगे। उन्हें इस बारे में गंभीरता से सोचना होगा। आप अपने घर के सदस्यों पर डाइनिंग रूम या बेडरूम में सोशल मीडिया से जुड़ने पर रोक लगा सकते हैं। आप अपने बच्चों से बात कर सकते हैं कि सोशल मीडिया को बहुत वक्त देना क्यों सही नहीं है। उन्हें साइबरबुलिंग के बारे में बताएं। अब यह भी जान लें कि साइबरबुलिंग क्या है? दरअसल साइबरबुलिंग डिजिटल तकनीकों के इस्तेमाल से की जाने वाली बदमाशी है। यह सोशल मीडिया, मैसेजिंग प्लेटफॉर्म, गेमिंग प्लेटफॉर्म और मोबाइल फोन पर हो सकती है। इसका उद्देश्य लोगों को डराना या शर्मिंदा करना है। अब आप इसे कुछ उदाहरणों से भी समझ लें। सोशल मीडिया पर किसी के बारे में झूठ फैलाना या उसकी शर्मनाक तस्वीरें या वीडियो पोस्ट करना। मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपमानजनक या धमकी भरे संदेश, चित्र या वीडियो भेजना। साइबर बुलिंग के शिकार लोगों पर इसका बहुत गहरा असर पड़ता है। इसलिए माता–पिता या घर के किसी बड़े सदस्य को चाहिए कि वह सोशल मीडिया में दिन–रात बर्बाद करने वाले सदस्य को इसके खतरों से आगाह करें।

नि:क्षय वाहन को किया रवाना

100 दिवसीय सघन टीबी अभियान का शुभारम्भ

प्रतापगढ़। 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान का शास्त्री सभागार कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी में पूर्ण उल्लासपूर्वक शुभारम्भ किया गया जिसमें मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, संयुक्त निदेशक परिवार कल्याण निदेशालय लखनऊ वेद प्रकाश, अपर निदेशक वाराणसी मण्डल डा0 एम0पी0 सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद, सांसद प्रतिनिधि बीएल पटेल, विधायक सदर प्रतिनिधि अरूण कुमार मौर्य तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। पूरे देश में एक साथ कार्यक्रम की लांचिंग का सजीव प्रसारण हरियाणा से दिखाया गया जिसमें माननीय प्रधानमंत्री का उद्बोधन भी सम्मिलित रहा। कार्यक्रम में सम्मिलित 05 टीबी मरीजों को टीबी पोषण पोटली प्रदान की गयी तथा साथ ही साथ टीबी चैम्पियनों तथा निःक्षय मित्रों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सम्मिलित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने अपने विचार व्यक्त करते हुये जनमानस को टीबी के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। अन्तः में निःक्षय वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया, यह वाहन जिले के सभी क्षेत्र में जाकर जैसे आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं जहां पर निःक्षय शिविर आयोजित किये जायेगें वहां पर जांच के लिये उपलब्धता रहेगी।

अराजकतत्वों ने उखाड़ डाली मिर्च की फसल

नेवादा, कौशाम्बी। सरायअकिल कोतवाली क्षेत्र के जलालपुर जवाहरगंज गांव में गुरुवार की रात अराजकतत्वों ने किसान की तैयार 15 विस्वा मिर्च की फसल उखाड़ कर खेत में फेंक दिया। सुबह जानकारी होने पर बदहवाश हालत में किसान खेत पहुंचा। खेत में मिर्च के बिखरे पौधों को देख उसके होश उड़ गए। किसान ने थाने जाकर अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। जलालपुर जवाहरगंज गांव निवासी अरविंद सिंह पुत्र बैजनाथ सिंह किसान हैं। उन्होंने गांव के बाहर स्थित सब्मर्सिबल नलकूप के समीप अपने खेतों में 15 विस्वा मिर्च की फसल लगा रखी थी। मिर्च की तोड़ाई शुरू हो गई थी। गुरुवार की रात अराजकतत्वों ने मिर्च की फसल उखाड़ कर नष्ट कर दी। शुक्रवार सुबह जानकारी होने पर अरविंद बदहवाश हालत में खेत पहुंचे। जहां खेत में नष्ट हुई मिर्च की फसल देखकर उनके होश उड़ गए। पीड़ित किसान ने थाने जाकर अज्ञात अराजकतत्वों के खिलाफ तहरीर दी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

चौन खोल ले गया दबंग, तहरीर

कसेंदा, कौशाम्बी। पिपरी थानाक्षेत्र के बरेठी गांव का एक दबंग सरकारी हैंडपंप से मोहल्ले वालों को पानी भरने से मना कर रहा है। विरोध करने पर वह प्लेटफार्म पर गोबर फेंककर चौन खोल ले गया। शुक्रवार शाम मोहल्ले के लोगों ने थाने जाकर दबंग के खिलाफ शिकायत किया है।बरेठी गांव निवासी धरम सिंह ने बताया कि उसके घर के सामने लोगों को पानी भरने के लिए सरकारी हैंडपंप लगा है। आरोप है कि पड़ोसी उनको पानी भरने से मना करता है। विरोध करने पर गाली गलौज करता है। शुक्रवार शाम वह हैंडपंप पर पानी भरने के लिए गया था। इसीबीच वह परिजनों के साथ वहां पहुंचा और हैंडपंप के प्लेटफार्म पर गोबर फेंककर उसका चौन खोल ले गया। पीड़ित ने थाने पहुंच पांच आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी है। तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 12620242025 **निविदा सूचना** दिनांकः 11.12.2024

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं प्रपत्र पर दिनांक 02.01.2025 तक आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार हैः-

क्र.सं.1. कार्यों का विवरणः सहायक मण्डल इंजीनियर/नैनी के अन्तर्गत आपात कालीन के दौरान ट्रैक के सुरक्षा हेतु मरम्मत सहित अन्य सुरक्षा कार्यों और ट्रैक पर ठंड के मौसम के दौरान रात्रि गश्त का कार्य।

निविदा सं.: 257	**जेम बिड सं.:** GEM/2024/B/5691279 dated 11.12.2024
अनुमानित मूल्यः ₹ 22,60,598.4	**अग्रिम धन राशि मूल्यः** ₹ 45,220/-

क्र.सं.2. कार्यों का विवरणः सहायक मण्डल इंजीनियर/मिर्ज़ापुर के अन्तर्गत आपात कालीन के दौरान ट्रैक के सुरक्षा हेतु मरम्मत सहित अन्य सुरक्षा कार्यों और ट्रैक पर ठंड के मौसम के दौरान रात्रि गश्त का कार्य।

निविदा सं.: 258	**जेम बिड सं.:** GEM/2024/B/5691845 dated 11.12.2024
अनुमानित मूल्यः ₹ 29,19,939.6	**अग्रिम धन राशि मूल्यः** ₹ 58,400/-

क्र.सं.3. कार्यों का विवरणः सहायक मण्डल इंजीनियर/चुनार के अन्तर्गत आपात कालीन के दौरान ट्रैक के सुरक्षा हेतु मरम्मत सहित अन्य सुरक्षा कार्यों और ट्रैक पर ठंड के मौसम के दौरान रात्रि गश्त का कार्य।

निविदा सं.: 259	**जेम बिड सं.:** GEM/2024/B/5692048 dated 11.12.2024
अनुमानित मूल्यः ₹ 23,07,694.2	**अग्रिम धन राशि मूल्यः** ₹ 46,160/-

सभी निविदाओं हेतु कार्य समापन की अवधिः 02 माह एवं **निविदा खुलने की तिथिः** 02.01.2025 है। **पात्रता मापदंड के अन्तर्गत सिमिलर कार्यः** निल।

नोटः 1. आनलाइन निविदा खुलने की तिथि 02.01.2025 तक प्रस्तुत की जा सकती है।
2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.gem.gov.in पर दिनांक 02.01.2025 तक उपलब्ध है।
2121/24 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

कार्यालय जोनल अधिकारी
जोन संख्या-02 मुट्ठीगंज, नगर निगम इलाहाबाद

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा निम्नलिखित भवन सं० के स्वामियों, क्रेतागणों, वारिसानों तथा अन्य सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि, निम्न भवनों के नाम के परिवर्तन की कार्यवाही कर विभाग क्षेत्रीय कार्यालय मुट्ठीगंज में विचाराधीन हैं सम्बन्धित पक्षों को धारा-213 की नोटिस भेजी जा चुकी हैं आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाण पत्रों सहित विज्ञापन तिथि से 15 दिनों के अन्दर क्षेत्रीय कार्यालय मुट्ठीगंज में आपत्ति दाखिल कर दें, अन्यथा एक पक्षीय कार्यवाही पूर्ण हो जायेगी।

क्र० सं०	भवन संख्या एवं मोहल्ला	भवन स्वामी का नाम	जिसके पक्ष में नाम परिवर्तन होना है	नामांतरण का आधार
01	88बी/60 मिन्हाजपुर	माया देवी आदि	सुमित चौरसिया खारिज शेष नाम के साथ गीता देवी	वरासत
02	963बी तुलसीपुर	रिजवाना सिद्दीकी	मो० जफर हुसैन	वरासत
03	129/106 व 130/160 ऊंचामण्डी	विक्रम आनन्द आदि	पंकज आनन्द खारिज शेष नाम के साथ विनीता आनन्द	वरासत
04	383ए/241 अटाला	मोहम्मद रजा आदि	अफसर रजा खारिज शेष नमा के साथ इम्तियाज अहमद	पं० बैनामा
05	90बी/179/2 अटाला	बिब्बन बीबी	मो० साबिर अंसारी	पं० बैनामा
06	209/163/जी०एफ० -5 मीरगंज	अशोक कुमार आदि	मनोरमा गुप्ता व अंजनी कुमार साहू	पं० बैनामा
07	317बी/420/1 अतरसुईया	अभिनव सेठ	नारायण यादव	पं० बैनामा
08	575/670/एस०एफ -01 शाहगंज	रमेश चन्द होता	रचना वैश्य	पं० वसीयत
09	493/424 संजय कुमार यादव	संजय कुमार यादव	सावित्री देवी	पं० बैनामा
10	42/39 कोल्हन टोला	मो० अनवर खाँ आदि	दर्ज नाम साथ मुमताज बेगम आदि	वरासत
11	208ए गढ़ी	सुफिया बेगम	खुर्शीद बेगम	वरासत
12	23/137 पानदरीवा	जीवन सिंह राठौर आदि	जीवन सिंह राठौर खारिज शेष नाम के साथ नगीना बीवी	वरासत
13	236/190 नखास कोहना	कैलाश चन्द्र जयसवाल आदि	पूनम जायसवाल, सुबोध कुमार जायसवाल, राजीव कुमार खारिज शेष नाम के साथ सूरज प्रकाश गुप्ता	पं० बैनामा
14	237/215 गाड़ीवान टोला	शशि कला शुक्ला आदि	शशी कला खारिज शेष नाम यथावत्	वरासत
15	56/55 गाडीवान टोला	अकाश शुक्ला	रितेश अग्रवाल	पं० बैनामा
16	573/486 शाहगंज	मोहम्मद नवाब	निदा खान	पं० बैनामा
17	357ए/406 बक्शीबाजार	सलामत अली	नूर जहाँ	पं० वसीयत
18	1 बी/ए/3ए याकूत गंज	उम्मतुन बीबी	मो० हसन	पं० बैनामा
19	184ए/211 ई मालवीय नगर	अब्दुल माबूद	साजदा बेगम	पं० बैनामा
20	211सी/184सी मालवीय नगर	जाहिदा बेगम	साजिदा बेगम	मा० न्यायालय आदेश
21	100/69 अतसुईया	कृष्ण मोहन प्रसाद चौरसिया आदि	श्रीमती प्रभा देवी, प्रभात चन्द्र, आलोक चन्द्र, मनोज चन्द्रा खारिज शेष के साथ रूचि मालवीय	पं० बैनामा
22	1037/686 मुट्ठीगंज	शान्ती देवी आदि	शान्ती देवी खारिज शेष नाम यथावत	वरासत
23	223/171 मुट्ठीगंज	विकास साहू आदि	आयुश जायसवाल खारिज शेष नाम यथावत	पं० बैनामा
24	1418/954 मुट्ठीगंज	शिव बाबू आदि	सत्य प्रकाश खारिज शेष नाम के साथ हिमांशु केसरवानी	पं० दानपत्र
26	136/157ए शाहगंज	कनीजा खातून	मो० हनीफ आदि वरासत	वरासत
27	8ए/12 महाजनीटोला	शिव प्रसाद वर्मा आदि	दर्ज नाम के साथ विजय लक्ष्मी वर्मा व विभाजन	पं० बैनामा
28	8ए/12 महाजनीटोला	शिव प्रसाद वर्मा आदि	दर्ज नाम के साथ विनोद बाबू वर्मा व विभाजन	पं० बैनामा
29	69/80 महाजनी टोला	गोपाल अग्रवाल आदि	शिव प्रसाद वर्मा.	पं० बैनामा
30	1070/466/4 मीरापुर	शान्ती देबी	आदित्य अग्रवाल	वरासत
31	23/17 महाजनी टोला	उर्मिला अग्रवाल आदि	उर्मिला अग्रवाल का नाम खारिज शेष नाम यथावत	वरासत
32	1205/492 मीरापुर	गौरव केसरवानी	सुयश शर्मा	पं० बैनामा
33	771एफ/1 मीरापुर	श्याम बाबू	श्रीमती सुधा श्रीवास्तव आदि	पं० बैनामा
34	136/73ए/1 जॉनसेनगंज	श्री प्रकाश अग्रवाल	दर्ज नाम के साथ सलामत उल्ला अंसारी	पं० बैनामा
35	183/141 गढ़ी	कुरैशा खातून	अनवारूल हसन	वरासत
36	135/123 बक्शी बाजार	सै० कैसर मेंहदी	दर्ज नाम के साथ साह आजम खान	पं० बैनामा
37	350/बी मुट्ठीगंज	छायारानी मुखर्जी	तरूण मुखर्जी आदि	वरासत
38	705/458 मुट्ठीगंज	शान्ती देवी	रूकमणी देवी आदि	पं० वसीयत
39	625/714 मालबीय नगर	कुसुम रानी	अविनाश मेहरोत्रा आदि	वरासत
40	407/205बी कटघर	हाशमी बेगम	आशिफ अली आदि	वरासत
41	329/49 अटाला	रईस अहमद	दर्ज नाम के साथ खुशनुमा कुरैशी वरासत	वरासत
42	476बी/128बी/02ए मीरापुर	रश्मि गुप्ता आदि	दर्ज नाम के साथ सीमा मालवीय	पं० बैनामा
43	60/2 चाह चन्द	लवकुश गुप्ता आदि	राजेश कुमार केसरवानी आदि	पं० बैनामा
44	261/221 नारायण सिंह नगर	इन्द्राणी सिंह आदि	इन्द्राणी सिंह, आजाद सिंह खारिज शेष नाम के साथ राजू सिंह	पं० दान पत्र
45	575/497 नारायण सिंह नगर	अर्जन लाल आदि	सुनील कुमार खारिज शेष नाम के साथ सुधा यादव	वरासत
46	60/3सी चाहचन्द्र	मनीष केसरवानी आदि	मनीष केसरवानी खारिज शेष नाम के साथ प्रवीण केसरवानी	पं० बैनामा
47	319सी/2एल मीरापुर	प्रफुल्ल कुमार श्रीवास्तव आदि	स्मृति श्रीवास्वत खारिज शेष नाम यथावत	पं० दान पत्र
48	577बी मीरापुर	कन्धई लाल आदि	कन्धई लाल खारिज शेष नाम के साथ राजेश कुशवाहा आदि	पं० बैनामा
49	319/23 मीरापुर	सुषमा शर्मा	देव दत्त शर्मा	वरासत
50	399ए मीरापुर	अंजूबाला श्रीवास्तव	कृष्ण कान्त श्रीवास्तव आदि	वरासत
51	10/126 पान दरीबा	बदरूद्दीन	शाह जहाँ बेगम आदि	वरासत
52	363सी/308सी मोहत्सिमगंज	दिनेश कुमार चौरसिया	पम्मी कुमारी	पं० बैनामा
53	397ए/584ए अटाला	बीबी फात्मा आदि	बीबी फात्मा, बीबी आयशा, मो० रिजवान, मो० इरफान, बीबी शायका, अल्का खारिज शेष नाम के साथ समीना बेगम	पं० बैनामा
54	331/205 अटाला	सुल्ताना बेगम	मो० हुसैन	पं० बैनामा
55	51/38 एस०सी० बासू रोड	सुशील कुमार यादव	दर्ज नाम के साथ शशांक यादव	पं० बैनामा
56	1121सी/1ए/1937 दरियाबाद	रंजना केसरवानी	दिपिका केसरवानी	पं० बैनामा
57	240/525 दरियाबाद	अनवारी बेगम	दर्ज नाम के साथ शीतला प्रसाद व विभाजन	पं० बैनामा
58	891/526 दरियाबाद	लाला शाह	बन्ने आदि	पं० वसीयत
59	242ए/1बी दरियाबाद	साहबे आलम आदि	रिजवाना	पं० बैनामा
60	1630/912 दरियाबाद	ज्योति चौरसिया	अंकित चौरसिया	पं० बैनामा
61	20/16/23 ऊंचामण्डी	कुवर गोपल अग्रवाल संरक्षिका श्रीमती जनक किशोरी देवी	दर्ज नाम के साथ स्नेह लता गुप्ता व विभाजन	पं० बैनामा
62	409ए/599 अटाला	साहिदा खातून	श्रीमती रेश्मा	पं० बैनामा
63	79सी/159 अटाला	मो० मुफीस	दर्ज नाम के साथ कफील अहमद	पं० बैनामा
64	154ए/138ए हीवेट रोड	निशार्थ बोश	प्रियदर्शी व कुसुमलता	पं० बैनामा
65	103/1/94/1 मोहत्सिमगंज	दिलीप कुमार गुप्ता	विमला गुप्ता आदि	वरासत
66	EWS फ्लैट नं0-5 ब्लाक-1 अटाला	नाजमीन अख्तर	वकार अहमद	पं० बैनामा
67	81 बी/168 अटाला	मोहम्मद वकील	शेख दावर वकील	पं० वसीयत
68	333/291 मोहत्सिमगंज	मुन्नी देवी	राज कुमार आदि	पं० बैनामा
69	60ए/47 सरांय गढी	मोहम्मद इब्राहिम आदि	मो० यामीन	पं० बैनामा
70	119/131 बक्शी बाजार	बजाहत हुसैन आदि	बजाहत हुसैन खारिज शेष नाम के साथ श्रीमती इकबाल आब्दी	वरासत
71	97/86 नखास कोहना	संगीता आदि	सुनील कुमार जायसवाल आदि	पं० बैनामा
72	49/32ए गुलाब बाडी	निजामउद्दीन अहमद	इकबाल उद्दीन अहमद आदि	वरासत
73	131/114ए गुलाब बाडी	इकबाल अहमद	इश्तियाक अहमद आदि	वरासत
74	210/187 दोंदीपुर	शमसुल हक	मो० असलम आदि	वरासत
75	413/3 शाहगंज	श्रीमती सिद्दीका बेगम	सदफ नसरीन आदि	वरासत
76	6/11ए लखपत राय लेन	मोती लाल रस्तोगी	अम्बरीश कुमार रस्तोगी	दानपत्र
77	239ए/303ए चक	रवीन्द्र ज्योतिदास आदि	रवीन्द्र ज्योतिदास खारिज शेष नाम के साथ गीता दास आदि	वरासत
78	19/13 कूंचाराय गंगा प्रसाद	गोपाल जी	ज्ञान प्रकाश मालवीय आदि	वरासत
79	19बी कूंचा रायगंगा प्रसाद	ओम प्रकाश मालवीय	सचिन मालवीय	वरासत
80	689/445 मुट्ठीगंज	अनुराग केसरवानी आदि	अनुराग केसरवानी खारिज होगा शेष नाम के साथ श्यामा देवी व विभाजन	पं० बैनामा
81	2031/1169सी/3 दरियाबाद	शशि सेठ	श्री अश्वनी सेठ आदि	वरासत
82	1542/856ए/1 दरियाबाद	एजाजुल हक आदि	दर्ज नाम के साथ श्रीमती नूर जहाँ बानो	पं० बैनामा
83	33जे/61/49 अतरसुईया	अनुराग श्रीवास्तव	दर्ज नाम के साथ-साथ उमा देवी व विभाजन	पं० बैनामा
84	1680/953ए/जी-1 दरियाबाद	सुरेश कुमार जायसवाल	सतीश कुमार केसरवानी	पं० बैनामा
85	1141/749 मुट्ठीगंज	मुकुन्द लाल उर्फ जगदीन आदि	मुकुन्द लाल उर्फ जगदीन खारिज शेष नाम के साथ श्रीमती पार्वती देवी आदि	वरासत
86	51/49/जी०एफ० 10 चौक	श्री ज्योति वर्मा	ममता वर्मा	पं० बैनामा
87	25ए/22ए/बी-9 रानीमण्डी	विनय कुमार वर्मा	मनोज कुमार साहू	पं० बैनामा
88	604ए मीरापुर	मूरत सिंह	अवधेष सिंह आदि	वरासत
89	341/10ए/1/505 सदियापुर	नवीन रस्तोगी	श्रीमती सुषमा	पं० बैनामा
90	707/319सी/1 मीरापुर	प्रफुल्ल कुमार श्रीवास्तव	स्मृति श्रीवास्तव खारिज शेष नाम यथावत	दान पत्र
91	441/508 मालवीय नगर	अभिलेख अग्रवाल आदि	दर्ज नाम के साथ सूरज यादव व विभाजन	पं० बैनामा
92	202सी पान दरीवा	दीपक अग्रवाल	दर्ज नाम के साथ उमंग कुमार वर्मा	पं० बैनामा
93	709/1079ए मुट्ठीगंज	मंजू देवी आदि	प्रवेन्द्र कुमार जायसवाल	पं० बैनामा
94	62/35 अतरसुईया	कुसुम मिश्रा	प्रेम नारायण मिश्रा आदि	पं० वसीयत
95	141/135ए खुशहाल पर्वत	संगम लाल	गोपाल जी यादव	पं० वसीयत
96	1872/1087 दरियाबाद	विष्णु	बिन्दु श्रीवास्तव	वरासत
97	28/35 रानीमण्डी	प्रमिला मेहरोत्रा आदि	प्रमिला मेहरोत्रा खारिज शेष नाम यथावत	पं० वसीयत
98	347/240ए मुट्ठीगंज	राजेन्द्र नारायण आदि	समस्त नाम खारिज राजेन्द्र नारायण मुतवल्ली ट्रस्ट ठाकुर द्वारा मुंसी प्रसाद व कामता प्रसाद	मा० न्यायालय आदेश 01.03. 2003
99	349/241 मुट्ठीगंज	राजेन्द्र नारायण आदि	समस्त नाम खारिज राजेन्द्र नारायण मुतवल्ली ट्रस्ट ठाकुर द्वारा मुंसी प्रसाद व कामता प्रसाद	मा० न्यायालय आदेश 01.03. 2003
100	64बी/52बी मुट्ठीगंज	निजाम खान	अर्शलान	पं० बैनामा
101	188/210 बक्शी बाजार	मो० नजीर	मो० अख्तर आदि	वरासत
102	1490ए/1019 मुट्ठीगंज	शारदा प्रसाद केसरवानी आदि	शारदा प्रसाद केसरवानी, सुरेन्द्र कुमार केसरवानी खारिज शेष नाम के साथ प्रतिमा केसरवानी	पं० दान

पत्रांक : सं0डी-3322/ज0सर्म0अधि0/2024,
दिनांक 11.12.2024

जोनल अधिकारी
जोन सं0-2

संतों, अखाड़ों के शिविर की तैयारियों को परखा

कुंभनगर। सीएम योगी ने सेक्टर 20 में स्थित अखाड़ों का भी स्थलीय निरीक्षण किया। वह यहां सबसे पहले श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन पहुंचे, जहां सीएम ने अखाड़े के प्रवेश द्वार पर मौजूद संतो के साथ कुछ देर बातचीत की। संतो ने सीएम का स्वागत किया। उदासीन बड़ा के बाद श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी और आनंद अखाड़े के शिविर में भी सीएम पहुंचे और वहां की व्यवस्थाएं देखीं। आनंद अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर शंकरानन्द सरस्वती जी ने सीएम को अखाड़े के अंदर आमंत्रित किया। सीएम ने उन्हें अगली बार आने का आश्वासन दिया। सीएम अन्य अखाड़ों के बाहर तैयारियों और व्यवस्था का भौतिक निरीक्षण करने के बाद वहां से रवाना हो गए। यहां से त्रिवेणी मार्ग गंगा रिवर फ्रंट रोड झूंसी और छतनाग घाट का भी उन्होंने निरीक्षण किया। यहां उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को सेक्टर 20 में स्थापित अखाड़ा सेक्टर का निरीक्षण करते हुए।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. आईआरटीएमटीसी/202425/04 दिनांक: 05.12.2024

खुली ई-निविदा सूचना

प्रधानाचार्य, भारतीय रेलवे रेलपथ मशीन प्रशिक्षण केन्द्र, पोस्ट-सूबेदारगंज, प्रयागराज, के द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक **27.12.2024 को 15:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं0	अनुमानित मूल्य (रु.)	बयाने की रकम (रु.)
IRTMTC-202425-02	18,13,048.00	36,300.00

कार्यों का विवरण : आई.आर.टी.एम.टी.सी, प्रयागराज में 24 महीने के लिए 40 सीटर बस किराये पर लेने हेतु।

निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.): 0.00	कार्य समापन की अवधि: 24 माह

नोट: 1. उपरोक्त सभी ई-निविदाओं का पूर्ण विवरण www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे टेण्डर बन्द होने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण-पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। 5. निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर मात्र वृहद प्रसार हेतु अपलोड किया जायेगा। 6. निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं बयाना राशि की रकम केवल नेट बैंकिंग या पेमेन्ट गेटवे के माध्यम से ही जमा किया जाना चाहिए। 7. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 8. जी.एस.टी. अधिनियम/ कानून/ नियम/दिशा-निर्देश के सम्बंधित प्रावधान लागू होंगे। 2105/24 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 12220242025 दिनांक : 09.12.2024

ई–निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएं निर्धारित प्रपत्र पर **दिनांक 03.01.2025 को 13.00 बजे** तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं : 1	निविदा नं.: 251	जेम बिड नं0: GEM/2024/B/ 5651626 Dated 09.12.2024

कार्यों का विवरण: सहायक मण्डल इंजीनियर / उत्तर मध्य रेलवे / मिर्जापुर और चुनार के आधीन दो वर्षो के लिए मिर्जापुर और चुनार में अधिकारी विश्राम गृहों का रखरखाव एवं बागवानी कार्यों का प्रावधान।

अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 31,52,388	बयाने की रकम ₹ : ₹ 63,050

क्र.सं : 2	निविदा नं.: 252	जेम बिड नं0: GEM/2024/B/ 5661045 Dated 09.12.2024

कार्यों का विवरण: सहायक मण्डल इंजीनियर / उत्तर मध्य रेलवे / चुनार के लिये 01 न0 नॉन वातानुकुलित वाहन (टवेरा, अर्टिगा, जाइलो, टाटा सफारी, स्कॉर्पियो या इनोवा) जो 01 अप्रैल 2021 के बाद पंजीकृत पूर्णतः अच्छी स्थिती में चालक और इंधन के साथ 2000 किलोमीटर प्रतिमाह तक उपयोग के लिए दिन में 24 घंटे 24 माह के सभी किराये पर उपलब्ध कराने हेतु।

अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 9,24,000/-	बयाने की रकम ₹ : ₹ 18,480/-
सभी कार्य समापन की अवधि : 02 साल	सभी निविदा खुलने की तिथि : 03.01.2025

सभी सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: निल

नोट: 1. आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि को 13:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.gem.gov.in. पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है। 2107/24(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

'नए भारत के नए यूपी' के 'नए गांवों' की कहानी महाकुम्भ में सुनाई जाएगी

लखनऊ (कुम्भ नगर)। योगी सरकार महाकुम्भ–2025 में शहर घर जल गांवश बसाएगी। पेयजल का समाधान, मेरे गांव की पहचान थीम पर यह शगांवश 40 हजार स्क्वायर फिट एरिया में बसेगा। इसमें एक तरफ जहां जल जीवन मिशन बुंदेलखंड में हर घर तक नल से जल पहुंचाने की कहानी सुनाई जाएगी, वहीं दूसरी तरफ महाकुम्भ में नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के नए गांवों की सफलता की दास्तां से भी श्रद्धालु, पर्यटक व कल्पवासी परिचित होंगे। योगी सरकार के मार्गदर्शन में ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग महाकुम्भ में इसकी तैयारी कर रहा है।

प्रदर्शनी में पांच भाषाओं में मिलेगी जानकारी।

ललितपुर से सटे मध्य प्रदेश के बॉर्डर के शबाल विहटश गांव में एक ही कुआं था। इसमें सांप रहते थे, इसके बावजूद यहां के लोग कभी उसी कुएं का पानी पीते थे। मोदी–योगी सरकार ने इस गांव के लोगों को भी शुद्ध पेयजल पहुंचाया। यहां के ग्रामीण भी बदलाव की गाथा बयां करेंगे। महाकुम्भ में देश के विभिन्न राज्यों व हिस्सों से श्रद्धालु, पर्यटक आएंगे। इसलिए प्रदर्शनी में हर जानकारी बहुआयामी भाषाओं में मिलेगी। यहां हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलगू व मराठी में लोग जल जीवन मिशन के माध्यम से बदले यूपी के बारे में अवगत हो सकेंगे। प्रदर्शनी में जल जीवन मिशन से विंध्य–बुंदेलखंड में आए बदलाव को लेकर सफलता की कहानी का भी संकलन पुस्तक के माध्यम से प्रदर्शित होगा।

'जल मंदिर' भी देगा संदेश– जल जीवनदायी है। इसका संरक्षण करें

प्रयागराज। ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग की तरफ से महाकुम्भ में शजल मंदिरश भी बनाया जाएगा। शजल मंदिरश में भगवान शिव की जटा से गंगा धरती पर आएंगी। इसके जरिए संदेश दिया जाएगा कि जल प्रसाद है। जल जीवनदायी है। इसे बर्बाद न करें, बल्कि इसका संरक्षण करें। शजल मंदिरश में सुबह–शाम जल आरती भी होगी। इस आरती में जल जीवन मिशन की गाथा, जल संरक्षण का संदेश भी होगा।

51 दिन तक चलेगी प्रदर्शनी, होंगे अलग–अलग कार्यक्रम।

कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में योगी सरकार के प्रयास से पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। सफलता की इस कहानी को लेकर शपेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचानश थीम पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी 5 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगी। 51 दिन तक चलने वाली प्रदर्शनी में अलग–अलग कार्यक्रम भी होंगे। प्रदर्शनी में बुंदेलखंड के ग्रामीण महिलाओं को मंच मुहैया कराया जाएगा, जिसमें वे बुंदेलखंड में बदलाव की कहानी बयां करेंगी। बांदा, झांसी, चित्रकूट के जिन गांवों में पानी न होने के कारण शादी नहीं हो पाती थी, वहां भी योगी सरकार ने ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल पहुंचाया। ललितपुर व महोबा के उन गांवों की महिलाएं, पानी ढोने के कारण जिनके सिर से बाल गायब हो गए थे। वे भी डबल इंजन सरकार के अतुलनीय कार्य को महाकुम्भ में शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी को बयां करेंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ केंद्रीय हास्पिटल का निरीक्षण करते हुए।

सुरक्षित महाकुम्भः संगम से पुरानी और जर्जर नाव हटाकर उनकी जगह फूलों से सजाई जा रही फ्लोटिंग जेटी

कुम्भनगर। महाकुम्भ को सनातन धर्म का सबसे बड़ा आयोजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले गुरुवार को खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुम्भनगर पहुंचे और सभी जरूरी तैयारियों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद संगम पर श्रद्धालुओं को पूजा पाठ करवाने के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। लोगों को विधिवत पूजा पाठ करने के लिए कहीं भटकना न पड़े, इसके लिए यहां पर ब्राह्मण, पुरोहित और पंडा मौजूद रहेंगे। एसडीएम महाकुम्भनगर, अभिनव पाठक ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप इस बार महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा का विशेष इंतजाम किया जा रहा है। संगम स्नान के दौरान देश–विदेश से आने वाली महिलाओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए, इसके लिहाज से संगम पर 12 स्पेशल यूनिटें बनाई जा रही हैं। इन यूनिटों की लंबाई 25 मीटर और 6 मीटर चौड़ाई होगी। इस यूनिट में चेंजिंग रूम की भी होगी व्यवस्था जिससे स्नान आदि के बाद किसी प्रकार की कोई समस्या न आने पाए। इसके अलावा संगम से पुरानी और जर्जर नावें हटाई जा रही हैं। इनके स्थान पर फ्लोटिंग जेटी का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही उसे आकर्षक बनाने के लिए विशेष प्रकार के फूलों से सजाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अक्षय वट का पूजन करते हुए।

बंजर भूमि सुधार पर आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प. –पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र द्वारा ष्सतत भूमि प्रबंधन तकनीक एवं भूमि क्षरण तटस्थता हेतु दृष्टिकोणष पर आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन आज दिनांक 12.12.2024 को किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय तकनीकी सत्र में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ. सुधीर कुमार सिंह द्वारा आजीविका सुरक्षा हेतु एकीकृत कृषि प्रणाली विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डॉ. दीपक लाल, प्रोफेसर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा भूमि क्षरण मूल्यांकन और संरक्षण में जीआईएस और रिमोट सेंसिंग की भूमिका विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। बनारस हिन्दू

विश्वविद्यालय की डॉ. सविता देवांगन द्वारा विभिन्न लक्षित समूहों के लिए मृदा एवं जल संरक्षण उपाय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में कृषि तथा वानिकी तकनीकों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव तथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम विषय पर अनुभव एवं विचार प्रस्तुत किए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन दिवस में प्रतिभागियों को यमुना नदी के जल मार्ग से भ्रमण कराया गया साथ में प्रतिभागियों को नैनी स्थित वानिकी महाविद्यालय, शुआट्स तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के वानिकी पौधशाला एवं विभिन्न कृषिवानिकी मॉडलो को दिखाया गया। प्रतिभागियों को विभिन्न वृक्ष प्रजातियों से अवगत कराया गया, जो कि बंजर भूमि के लिए उपयुक्त हैं। कार्यक्रम के समापन सत्र में प्रतिभागियों के साथ चर्चा किया गया तथा प्रतिभागियों एवं विषय विशेषज्ञ के बीच संवाद स्थापित किया गया साथ ही प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अन्त में कार्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक, आलोक यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे

पब्लिक नोटिफिकेशन

उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के भीरपुर से करछना तीसरी लाइन के आस पास नीचे दिए गये सेक्शन में 25 के. वी. ए.सी. 50 हर्टज्स ओवर हैड ट्रैक्शन वायर इस तारीख को / तक चार्ज कर दिया जायेगा। इस तारीख को / से ओवर हेड लाइन को हर समय चार्जलाइन की तरह ट्रीट किया जायेगा और कोई भी अनअथोराइज्ड आदमी इस लाइन तक पहुँचने की कोशिश नहीं करेगा और न ही कार्य करने की कोशिश करेगा।

ऊर्जीकृत (चार्ज) करने की तिथि:- 13.01.2025 या उसके पश्चात

सैक्शन: उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के भीरपुर से करछना को जोड़ने वाली तीसरी लाइन (कि.मी. 797.470 से कि.मी. 807.659) में **25 kV, 50 Hz AC** विद्युतीकरण का कार्य।

किलोमीटर/लोकेशन/चैनेज (से - तक)
1. कामन लूप न. - 1 करछना (KCN) (Loc-807/1030 CH-807/948.07) से कामन लूप न. -1 करछना (KCN) (Loc-806/20 CH-806/611.48) तक
2. 3rd लाईन (KCN- BEP) (Loc-807/24A CH-807/761.57) से 3rd लाईन (KCN-BEP) (Loc-797/16 CH-797/477.03) तक
3. कामन लूप लाईन भीरपुर (BEP) (Loc-798/38 CH-798/929.43) से कामन लूप लाईन भीरपुर (BEP) (Loc-797/30 CH-797/799.03) तक

पं. दीनदयाल उपाध्याय- प्रयागराज खंड No. EL-C-PRYJ-192-21-22/Public Notification dated 10.12.2024, स्थान- प्रयागराज 2111/24 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

गैर हाजिरी सूचना

श्री राहुल कुमार गुप्ता पुत्र, श्री बुद्धू लाल गुप्ता TM-IV/166/DBR जोकि दिनांक 31.03.2024 से आज दिनांक तक अनुपस्थित है, जिसके सापेक्ष में कर्मचारी को मानक फार्म सं0-5 दिनांक 01.07.2024 को जारी किया गया एवं जांच हेतु **वरि0 खण्ड अभि0/रेलपथ/इंचार्ज/शंकरगढ़ श्री सुरेन्द्र** को जांच अधिकारी नामित किया गया था, प्रेषित जांच रिपोर्ट में यह दर्शाया गया है कि कर्मचारी आंशिक रूप से दोषी है एवं कर्मचारी जांच कार्यवाही में ना ही सम्मिलित हुए और ना ही किसी सूचना से सम्बन्धित कार्यालय को अवगत कराया।

अतः आपको एक सप्ताह का अवसर प्रदान किया जा रहा कि आप इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें एवं स्पष्टीकरण दें अन्यथा रेल प्रशासन द्वारा एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए सेवा समाप्ति/बरखास्तगी की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

कर्मचारी का पता:- श्री राहुल कुमार गुप्ता
श्री बुद्धू लाल गुप्ता TM-IV/166/DBR
(Under-SSE/P.WAY/MKP)
पताः- ग्राम-कसेरूवा कला, पो0- सहसों,
जनपद-प्रयागराज, उ0प्र0 पिन-211507

सहायक मण्डल अभियंता
नैनी
उत्तर मध्य रेलवे,
प्रयागराज

2112/24 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेल: amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062